चिकित्सा पद्वति में राजयोग शामिल करने की जरूरत
ज्ञान सरोवर में चिकित्सक सम्मेलन आरंभ

माउंट आबू, 7 सितम्बर। बिहार के स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडे ने कहा कि चिकित्सा पद्वति में राजयोग को शामिल करना समय और परिस्थितियों की मांग है। पूर्ण मनोयोग व स्वेच्छा से अध्यात्म को स्वयं की जीवनशैली में आत्मसात करने से कई प्रकार के असाध्य रोगों से निजात पाई जा सकती है। नियमित रूप से राजयोग का अभ्यास करने पर मन में सकारात्मक ऊर्जा जमा होती है जिसका सीधा असर शरीर को स्वस्थ्य करने सार्थक सिद्ध होता है।प्राचीनकाल की अध्यात्म से परिपूर्ण ध्यान थरैपी से तन-मन के रोगों को नष्ट किया जा सकता है लेकिन उसके लिए स्वयं की आत्मिक शक्ति को संपूर्ण रूप से जागृत करना होगा। इसके लिए ब्रह्माकुमारी संगठन की ओर से प्रशिक्षित राजयोग सर्वोत्तम माध्यम है। वे शनिवार को प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के ज्ञान सरोवर अकादमी परिसर में चिकित्सा सेवा प्रभाग द्वारा आयोजित चार दिवसीय चिकित्सकीय सम्मेलन के उदघाटन सत्र को संबोधित कर रहे थे।

जीबी पंत पीजीआईएमएस अस्पताल दिल्ली, कार्डियोलॉजी प्रो. डॉ. मोहित गुप्ता ने कहा कि स्वास्थ्य के चार स्तंभ हैं, दया, देखभाल, समझ व विश्वास। इन चार स्तंभों पर आधारित जीवनशैली को सुखमय बनाने के लिए मेडिसन के साथ मेडिटेशन करना अनिवार्य है।

पदमश्री, शंकर नेत्र फाउंडेशन मैनेजिंग ट्रस्टी डॉ. आर.वी. रमनी ने कहा कि चिकित्सक की मनोदशा के वायब्रेशन भी मरीज को प्रभावित करते हैं। अध्यात्मिक मनोवृत्ति से किये गये उपचार के बेहतर परिणाम प्राप्त होते हैं।

अवेकनिंग विद् ब्रह्माकुमारीज फेम, प्रसिद्ध मोटिवेशनल स्पीकर बीके शिवानी बहन ने अपने जीवन का अनुभव सांझा करते हुए कहा कि वे नियमित रूप से राजयोग, अध्यात्मिक चिन्तन, व्यायाम करती हैं जिसके परिणाम स्वरूप हमेशा मन में सकारात्मक ऊर्जा का निर्माण होता रहता है।

ब्रह्माकुमारी संगठन कार्यकारी सचिव बीके मृत्युजंय ने कहा कि सर्वांगीण स्वास्थ्य विकास को लेकर सुप्रीम सर्जन परमात्मा से मन की तार जोडऩे के लिए नियमित रूप से सकारात्मक चिन्तन व राजयोग का अभ्यास करना चाहिए।

ग्लोबल अस्पताल निदेशक डॉ. प्रताप मिढ्ढा ने कहा कि स्वयं के आंतरिक सशक्तिकरण से ही अनेक प्रकार की बीमारियों से बचा जा सकता है। इसके लिए शुद्ध खानपान व संयमित दिनचर्या का होना जरूरी है।

संगठन के खेल प्रभाग की उपाध्यक्ष बीके शशि बहन ने कहा कि कर्मक्षेत्र में संतुलन रखना अनिवार्य है। आत्मा, परमात्मा की सन्तान है यह स्मृति रहने से परमात्मा की शक्तियों का अविरल रूप से आत्मा में संचार होता रहता है। जिससे किसी भी प्रकार के असंभव कार्य को संभव किया जा सकता है।

वरिष्ठ राजयोग प्रशिक्षिका मुंबई, बीके योगिनी बहन ने कहा कि सच्चे मन से सेवा में समर्पित रूप से दूसरों के दु:खों को दूर करने वाले चिकित्सक महान हैं। मन को शुद्ध संकल्पों का भोजन देने से स्वास्थ्य भी बेहतर रहता है।

मेडिकल विंग सेक्रेटरी डॉ. बीके बनारसी, प्रसिद्ध मनोचिकित्सक डॉ. गिरीश पटेल ने भी विचार व्यक्त किए।

केंद्रीय मंत्री ने किया पाण्डव भवन का अवलोकन

माउंट आबू, 7 सितम्बर। केंद्रीय सड़क, परिवहन व राजमार्ग राज्यमंत्री जनरल वी.के. इक्षसह ने शनिवार को प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के अंतराष्ट्रीय मुख्यालय पाण्डव भवन का अवलोकन किया। संस्थान के संस्थापक प्रजापिता ब्रह्मा बाबा के समाधिस्थल शान्तिस्तंभ पर पुष्प अर्पित कर वहां मानवीय कल्याण के लिए अंकित शिक्षाओं की विस्तारपूर्वक जानकारी ली। राजयोग का अभ्यास कर शान्ति की अनुभूति की। उन्होंने हिस्ट्री हाल, तपस्यास्थली बाबा की कुटिया, बाबा का कमरा आदि स्थानों का भी अवलोकन किया। पाण्डव भवन परिसर पहूंचने पर संगठन पदाधिकारियों ने उनका स्वागत किया।
केंद्रीय, राज्यमंत्री जनरल वी.के. इक्षसह ने कहा कि समाज में बढ़ती विकृतियों को समाप्त करने के लिए मानवीय सोच को सकारात्मक करने का ब्रह्माकुमारी संगठन की द्वारा किया जा रहा कार्य सार्थक सिद्व हो रहा है। जन-जन के मन को अध्यात्म से भरने की जरूरत है। जिसके लिए संगठन भली भांति महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। शांतिस्तंभ पर अंकित विश्व शांति एवं मानवीय एकता के लिए बाबा की ओर से उच्चारित महावाक्यों की विस्तारपूर्वक जानकारी लेते हूए उन्हें विश्व कल्याण के लिए अत्यंत उपयोगी बताया। विश्वव्यापी आध्यात्मिक संंगठन की गतिविधियों को नजदीकी से देख प्रसन्नता व्यक्त करते हूए उन्होंने कि संगठन का बिना किसी आदेश-निर्देशों के शांतिपूर्वक कार्य संचालन होना स्वच्छता, सादगी, पर्यावरण के प्रति जागरूकता स्वयं ही इस पवित्र स्थान की अहमियत बढ़ा रहा है।
इस अवसर पर उपखंड अधिकारी डॉ. रविंद्र कुमार गोस्वामी, कर्नल बीके सती, पुलिस उप अधीक्षक प्रवीण कुमार, थाना अधिकारी अचलसिंह देवड़ा, बीके अवतार, बीके भरत, डॉ. हिमा बहन, शशिकांत, सुरेंद्र भाई आदि उपस्थित थे।